(घ) संयुक्त पट्टे और महिलाओं को भूमि स्वामित्व सुलभ कराने के संबंध में हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है ?

ग्रामीण विकास मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) में राज्य मंत्री (श्री रामेश्वर ठाकुर) : (क) और (ख') मार्च 1922 में हुये राजस्व मंत्रियों के सम्मेलन में विवादों से मुक्त फालतू भूमि के वितरण की समय-सीमा को बढ़ाकर 30 जून, 1992 कर दिया गया था । यह भी निर्णय लिया गया था कि राज्यों में राजस्व न्यायालयों के समक्ष मुकद्दमेंबाजी में फंसी अधिकतम सीमा से फालतू भूमि में से 75% को मामलों से निपटाकर रिलीज कराया जाना चाहिये और इस प्रकार रिलीज कराई गई भूमि का वितरण किया जाना चाहिये । तदनुसार, राज्य सरकारों को कदम उठाने की सलाह दी गई है ।

(ग) उपरोक्त सिफारिशों के परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश सरकार ने 1991–92 और 1992–93 में निम्नलिखित क्षेत्र का वितरण किया है :–

वर्ष	लक्ष्य	उपलब्धि (क्षेत्र एकड़ में)
1991–92	1250	2294
1992–93	1250	3188 (जनवरी 93)

(घ) उत्तर प्रदेश सरकार ने सूचित किया है कि अधिनियम में कमजोर वर्गों के सदस्यों को पट्टा देने के प्रावधान हैं लेकिन पुरुषों और महिलाओं में कोई भेद नहीं रखा गया है । तथापि, वे पति और पत्नी के संयुक्त नामों में पट्टा जारी करने की सिफारिश की जांच कर रहे हैं ।

Innovation of Bullock Cart

2111. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether efforts are being made to innovate the functioning of Bullock Cart; if so, the details thereof.

(b) wheher any R and D is in progress;

(c) what is the cost of production of a bullock cart; and

(d) what is the value of the services that each cart carries per year?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) (SHRI UTTAMBHAI PATEL): (a) and (b) The Council for Advancement of People's Action and Rural Technology (CAPART), which is an autonomous body under the aegis of this Ministry is responsible for transfer of appropriate technology to various agencies to encourage adoption of modern techniques and appropriate technology in rural development. The Council have supported the organisation named Centre for Action Research and Technology, Bangalore for development of the following different designs of Bullock Cart:—

—Bangalore Type—Double Animal CART

—Bangalore Type—Single Animal CART

—Madras Garbage Removal—Double Animal CART.

—Villupuram Type with Spring Loaded Yoke—Double Animal CART

—Palcode Type—Double Animal CART.

(c) Each of these designs costs Rs. 9,000 to 10,000 on an average.

(d) The bullock carts in rural areas are not used for commercial haulage of goods on service fees basis. Carts are only used for transportation of personal agricultural produce/related material. By and large the carts are used for an average 100 days in a year.